

00282

**M.Ed. SPECIAL EDUCATION-VISUAL
IMPAIRMENT (MEDSEVI)**

Term-End Examination

December, 2016

**MMDE-072 : CURRICULUM AND TEACHING
STRATEGIES FOR CHILDREN WITH VISUAL
IMPAIRMENT**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 75

Note : *Part 'A' and Part 'B' are compulsory.*

PART - A

Write short notes on any three of the following questions (1-5). Each question carries 5 marks.

1. Discuss strategies for teaching Braille in brief. 5
2. What are plus curricular needs of visually impaired children ? 5
3. Define 'Verbalism' and mention significance of concreteness to overcome Verbalism. 5
4. What is the importance of sensory training for children with visual impairment ? 5
5. Briefly discuss the use of Information Communication Technology (ICT) for children with visual impairment. 5

PART - B

Attempt **any four** questions from **Part - B**.
Question no. **11** is **compulsory**. Each question carries **15** marks.

6. Discuss appropriate vocational counselling and Training Techniques for students with visual impairment. 15
7. "Computerization in braille book production is a boon to children with visual impairment." Do you agree with this view ? Justify your answer with suitable examples. 15
8. Explain different teaching methods and teaching learning materials for teaching mathematics to children with visual impairment. 15
9. Discuss the role of various agencies involved in the rehabilitation of visually impaired children both at national and international level. 15
10. What is parental reaction to blindness ? How can guidance programmes help visually impaired persons adjust better in family and community ? 15
11. "Visually impaired persons acquire same information as that of sighted if they are provided modern reading devices." Critically evaluate this statement with suitable examples. 15

OR

- "Kinesthesia and visualization are helpful for a visually impaired person to correlate with other senses." Do you agree with this view ? Justify your answer with suitable examples. 15

एम.एड. विशेष शिक्षा-दृष्टिबाधिता
(एम.ई.डी.एस.ई.वी.आई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

एम.एम.डी.ई.-072 : दृष्टिबाधित बच्चों के लिए पाठ्यक्रम एवं
शिक्षण प्रणालियाँ

समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 75

नोट : भाग 'अ' तथा भाग 'ब' अनिवार्य हैं।

भाग - अ

निम्न में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए। प्रत्येक
प्रश्न 5 अंक का है।

1. ब्रेल शिक्षण हेतु शिक्षण विधियों पर संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5
2. दृष्टिबाधित बच्चों की पाठ्यक्रम से जुड़ी अतिरिक्त आवश्यकताएँ क्या हैं? 5
3. वर्बलिज़्म को परिभाषित कीजिए। वर्बलिज़्म से उभरने हेतु प्रत्यक्षता का क्या महत्त्व है? 5
4. दृष्टिबाधित बच्चों के लिए संवेदीय प्रशिक्षण की क्या महत्त्वता है? 5
5. दृष्टिबाधित बच्चों के लिए आई.सी.टी. के उपयोग पर संक्षिप्त चर्चा करें। 5

भाग - ब

भाग - ब से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 11 अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

6. दृष्टिबाधित बच्चों के लिए उचित व्यावसायिक परामर्श एवं प्रशिक्षण विधियों पर चर्चा कीजिए। 15
7. “दृष्टिबाधित बच्चों के लिए ब्रेल पुस्तक निर्माण का कम्प्यूटरीकरण एक वरदान है।” क्या आप इस मत से सहमत हैं? अपने उत्तर का उदाहरणों सहित न्यायीकरण कीजिए। 15
8. दृष्टिबाधित बच्चों के गणित शिक्षण हेतु विभिन्न शिक्षण विधियों एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री का वर्णन करें। 15
9. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दृष्टिबाधित बच्चों के पुनर्वास में सम्मिलित विभिन्न संस्थाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 15
10. दृष्टिहीनता के प्रति माता-पिता की क्या प्रतिक्रिया होती है? मार्गदर्शन के कार्यक्रम किस प्रकार से दृष्टिबाधित व्यक्तियों को परिवार एवं समुदाय में बेहतर समायोजन के लिए सहायक हो सकते हैं? 15
11. “अगर दृष्टिबाधित व्यक्तियों को आधुनिक पठन यंत्र उपलब्ध करवा दिए जाए तो वे वैसी ही सूचना प्राप्त कर सकते हैं जैसे कि सही दृष्टि वाले व्यक्ति।” उपर्युक्त कथन का उचित उदाहरणों सहित आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। 15

अथवा

- “गतिसंवेदना एवं मानसदर्शन दृष्टिबाधित व्यक्तियों को अन्य इंद्रियों के साथ सहसंबंध में सहायक है।” क्या आप इस मत से सहमत हैं? उचित उदाहरणों सहित अपने उत्तर को न्यायोचित कीजिए। 15